न्यू मैक्सिको में आबो मिशन के अवशेष सालीनस पैब्लो मिशन्स नैशनल मॉन्युमैंट का भाग हैं। समुद्र स्तर से 6100 फीट की ऊंचाई पर स्थित ये स्मारक कथित तौर पर चौदहवीं सदी के हैं। उस समय यह क्षेत्र एक प्रमुख व्यापारिक केन्द्र था। सन् 1962 में इस क्षेत्र को नैशनल हिस्टॉरिक लैण्डमार्क घोषित किया गया था। यह क्षेत्र 370 एकड़ में फैला है और यहां कई ऐसे पैब्लो अवशेष हैं जिनका अभी भी उत्खनन नहीं हुआ है। इनकी संख्या और आकार को देखकर कहा जा सकता है कि, वर्ष 1581 में जब स्पैनिश यहां आए थे तब यहां फलता- फूलता समुदाय रहता था। वर्ष 1622 में फ्रे फ्रैन्सिस्को फोन्ते को आबो मिशन पर भेजा गया था। स्थानीय लोगों के साथ काम करते हुए फोन्ते ने 1623 में एक छोटा कॉन्वैन्ट और चर्च बनाया। इस चर्च के कॉन्वैन्ट में एक गोलाकार कीवा था। कीवा असल में एक भूमिगत गोल चैम्बर था जिसका इस्तेमाल यहां के पुरुष धार्मिक कार्यों के लिए करते थे। आबो का सबसे पहला एतिहासिक उल्लेख सन् 1583 का है, जब स्पैनिश खोजी एन्टोनियो डी एस्पेहो यहां आया था। स्पैनिश मिशन का काम 1622 में शुरु हुआ और 1629 में पहला चर्च बना। लेकिन 1672 में इस क्षेत्र को त्याग दिया गया, संभवतया सूखे और अपैची (स्थानीय मूल निवासियों का समूह) के हमले की वजह से। इतिहास के अनुसार, इसके बाद आबो के लोग रिओ ग्रैन्ड वैली चले गए जहां 1680 में पैब्लो बगावत में उन्होंने स्पेन का साथ दिया था। सन् 1938 में सरकार ने आबो का अधिग्रहण कर लिया व एतिहासिक स्थल के रुप में इसका संरक्षण किया।

''हाथ से हाथ मिलाओ'' कार्यक्रम आखिर कैसे संचालित होगा

ना जिलों में और ना ही ब्लॉक स्तर पर कांग्रेस कमेटी का गठन हुआ है

जयपुर, 24 दिसम्बर (का.प्र.)। भारत जोड़ो यात्रा की समाप्ति के बाद कांग्रेस ने एक नए कार्यक्रम की घोषणा की है। ब्लाक और जिला स्तर पर आयोजित होने वाले इस कार्यक्रम को नाम दिया गया है, ''हाथ से हाथ मिलाओ,'' लेकिन इस कार्यक्रम को लेकर राजस्थान में बड़ी असमंजस की स्थिति है कि, आखिरकार जिला और ब्लॉक स्तर पर इस कार्यक्रम को चलाएगा कौन ?

दरअसल सचिन पायलट को प्रदेश अध्यक्ष पद तथा उपमुख्यमंत्री पद से हटाए जाने के बाद लगी इस्तीफों की झड़ी के कारण आनन-फानन में तमाम जिला और ब्लॉक कमेटियाँ भंग कर दी गईं, प्रदेश कार्यकारिणी भंग कर दी गई, विभाग, प्रकोष्ठ भंग कर दिए गए। इनमें से अभी तक ब्लॉक और जिला कमेटियों का गठन नहीं हो पाया है। ना ही विभाग, प्रकोष्ठ बन पा रहे हैं। ऐसे में ''हाथ से हाथ मिलाओ'' कार्यक्रम कैसे तथा कौन लोग आगे बढ़ाएगा, यह भी तय नहीं है।

दरअसल, राजस्थान में जुलाई 2020 में ही प्रदेश कार्यकारिणी, विभाग, प्रकोष्ठ, जिला और ब्लॉक तक की तमाम कमेटियों को भंग कर दिया गया था। सचिन पायलट के बाद गोविंद सिंह डोटासरा को नया प्रदेश अध्यक्ष बनाया तो गया, लेकिन उन्हें काम करने के लिए नाम मात्र लोगों की कार्यकारिणी मिली, और जिला व ब्लॉक अध्यक्ष बनाने का सिलसिला लंबा नहीं चल पाया। मात्र एक दर्जन के आसपास जिला अध्यक्ष बनाए गए,लेकिन उनमें से भी कूलिंग पीरियड के कारण जिला अध्यक्षों को बदलने की जरूरत आ गई। ऐसे में इस समय सिर्फ पांच जिला अध्यक्ष हैं ,वहीं 400 ब्लॉक अभी नए अध्यक्षों का इंतजार कर रहे हैं।

- **दरअसल सचिन पायलट को प्रदेश अध्यक्ष पद तथा उपमुख्यमंत्री पद से हटाए जाने के बाद लगी इस्तीफों की झड़ी के चलते आनन-फानन में तमाम जिला और ब्लॉक स्तरीय कांग्रेस कमेटियां भंग कर दी गई थीं।**

हालांकि, कहने को तो कांग्रेस ने यह भी कहा था कि, अब संगठन का विस्तार मंडल स्तर पर किया जाएगा। लेकिन, मंडल स्तर की बात तो बहुत दूर की है,अभी तक तो जिला कांग्रेस अध्यक्ष और ब्लॉक अध्यक्षों को लेकर भी कोई निर्णय नहीं हो पाया है। ऐसे में सवाल उठता है कि, अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी की ओर से दिए गए हाथ से हाथ मिलाओ कार्यक्रम का संचालन ब्लॉक और जिला स्तर पर कैसे होगा। वैसे कहा तो यह जा रहा है कि, निवर्तमान जिला कांग्रेस अध्यक्ष और निवर्तमान ब्लॉक अध्यक्षों से ही इन कार्यक्रमों का संचालन कराया जाएगा और विधायक और विधायक प्रत्याशी इनको सहयोग करेंगे।

वैसे एक संभावना यह भी जताई जा रही है कि, आने वाले दिनों में 15 जनवरी के बाद शायद कुछ जिला अध्यक्षों को लेकर फैसला हो जाए, लेकिन दूसरी ओर जिस तरह से कांग्रेस में इस समय खींचतान जारी है, उसमें फिलहाल यह होता संभव नहीं लग रहा। यह भी कहा जा रहा है कि, वैसे भी, प्रदेश कांग्रेस के नए प्रभारी सुखजिंदर सिंह रंधावा अभी राजस्थान के बारे ज्यादा जानकारी नहीं रखते हैं। इसलिए पहले वे इस बारे में फीडबैक लेंगे, नेताओं से मिलेंगे, उसके बाद ही संगठन विस्तार को लेकर कोई चर्चा आगे बढ़ पाएगी। अब देखना यह है कि क्या 26 जनवरी से शुरू होने वाले कांग्रेस के इस नए कार्यक्रम से पहले संगठन का विस्तार हो जाएगा या फिर आधी अधूरी तैयारी के साथ कार्यक्रमों का संचालन होगा।

'दोषियों को सख्त ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

ज्ञान की परीक्षा को अहतिहातन निरस्त किया गया है जिससे किसी भी मेहनतकश युवा के साथ अन्याय ना हो। बाकी परीक्षाएं यथावत् जारी रहेंगी।

मुख्यमंत्री गहलोत न कहा, मैं परीक्षार्थियों को होने वाली परेशानी महसूस कर सकता हूं परन्तु अनुचित तरीके से परीक्षा पास करने के मंसूबे पाल कर आए लोगों का चयन नहीं होने दिया जाएगा। राजस्थान में सिर्फ मेहनती युवाओं को ही उनका हक मिलेगा। मेरी अपील है कि किसी के बहकावे में आने की बजाय आप अपनी तैयारी करें।

उन्होंने आगे कहा, दुर्भाग्य से देशभर में पेपर लीक करने वाले गैंग पनप गए हैं जिससे कई राज्यों में, यहां तक कि, जूडिशिएरी एवं मिलिटरी तक में पेपर लीक जैसी घटनाएं होती हैं। राजस्थान में सख्त कार्रवाई कर बेईमानों को जेल में बंद किया गया है भर्ती परीक्षाओं में पार्दर्शिता के लिए हमारी सरकार ने सख्त कानून बनाया है।

अदालती आदेश के बावजूद नदी भूमि से अतिक्रमण नहीं हटाया

राजस्थान हाई कोर्ट ने कलेक्टर और एस.डी.ओ. को अवमानना नोटिस जारी किया

जयपुर, 24 दिसंबर (का.सं.)। राजस्थान हाईकोर्ट ने अदालती आदेश के बावजूद झुंझुनू के नाटास गांव के पास काटली नदी की करीब आठ सौ बीघा जमीन पर अतिक्रमण नहीं हटाने पर स्थानीय कलेक्टर लक्ष्मण सिंह कुड़ी, उदयपुरवाटी एसडीएम रामसिंह राजावत और गुढ़ागौडजी तहसीलदार गजेन्द्र सिंह को अवमानना नोटिस जारी कर जवाब तलब किया है। जस्टिस एम.एम श्रीवास्तव और जस्टिस विनोद कुमार भारवानी की खंडपीठ ने यह आदेश सुमित्रा की अवमानना याचिका पर दिए।

याचिका में अधिवक्ता धर्मवीर ठोलिया और अधिवक्ता हिमांशु ठोलिया ने अदालत को बताया कि, काटली नदी की कुल करीब 17 सौ बीघा जमीन में से करीब आठ सौ बीघा जमीन पर स्थानीय प्रभावशाली लोगों ने अतिक्रमण कर रखे हैं। इसके चलते नदी के बहाव क्षेत्र में पानी नहीं आता और नदी सूख रही है। नदी भूमि पर लोगों ने कुएं, ट्यूबवेल भी खोद लिए हैं। अवमानना याचिका में कहा गया कि पूर्व में हाईकोर्ट ने एक जनहित याचिका पर सुनवाई करते हुए जिला कलेक्टर की अध्यक्षता में गठित पब्लिक लैंड प्रोटेक्शन सेल को आदेश दिए थे कि वह अतिक्रमियों को सुनवाई का मौका देकर तीन माह में अतिक्रमण हटाने पर निर्णय करे। इस संबंध में संबंधित अधिकारियों को कई बार लिखित शिकायत भी दी गई। इसके बावजूद भी अवमाननाकर्ता अफसरों ने अतिक्रमण हटाने की कार्रवाई नहीं की है। जिस पर सुनवाई करते हुए खंडपीठ ने संबंधित अधिकारियों को अवमानना नोटिस जारी कर जवाब तलब किया है।

- **यह मामला झुंझुनूं के नाटास गांव में काटली नदी के पास की 800 बीघा जमीन के अतिक्रमण का है।**
- **बताया जाता है कि, काटली नदी की 1700 बीघा जमीन में से 800 बीघा पर स्थानीय प्रभावशाली लोगों ने अतिक्रमण कर रखा है, इससे नदी के बहाव क्षेत्र में पानी आना बंद हो गया है।**

पांच देशों से आने वालों के लिए आर.टी.पी.सी.आर टैस्ट अनिवार्य

नई दिल्ली, 24 दिसम्बर। दुनिया के कई देशों में जानलेवा करोना वायरस के मामले बढ़ने लगे हैं, इसको लेकर केंद्र सरकार सतर्क हो गई है और पूरी सावधानी बरत रही है। इसके मद्देनज़र अब चीन, जापान, दक्षिण कोरिया, हांगकांग और थाईलैंड से आने वाले यात्रियों के लिए आर.टी.-पी.सी.आर. टैस्ट अनिवार्य कर दिया गया है। केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री डॉ. मनसुख मंडाविया ने कहा है कि अगर इन देशों के किसी भी यात्री में करोना के लक्षण पाए जाते हैं या टैस्ट पॉजिटिव पाया जाता है तो उन्हें तुरंत क्वारंटीन कर दिया जाएगा।

चीन, जापान, दक्षिण कोरिया, हांगकांग और थाईलैंड से आने वाले अन्तर्राष्ट्रीय यात्रियों के स्वास्थ्य स्थिति की जानकारी देने के लिए कोविड-19 एयर सुविधा फॉर्म भरना अनिवार्य किया गया है।

20 साल की टीवी एक्ट्रेस टुनिशा शर्मा ने शूटिंग के सेट पर खुदकुशी की

टुनिशा शर्मा अलीबाबाः दास्तान-ए काबुल में लीड रोल निभा रही थीं

मुंबई, 24 दिसम्बर। अलीबाबा: दास्तान-ए काबुल फेम 20 साल की टीवी एक्ट्रेस टुनिशा शर्मा ने खुदकुशी कर ली है। टुनिशा इस वक्त सब टीवी के शो दास्तान ए काबुल में लीड रोल प्ले कर रही थीं ऐसे में उन्होंने ये इतना बड़ा कदम क्यों उठाया इस बात से सब हैरान हैं।

टुनिशा ने शो के सेट पर ही ये कदम उठाया और शो के लीड एक्टर के मेकअप रूम में ही फांसी का फंदा लगाकर जान दे दी। हालांकि पुलिस के मुताबिक वो बाथरूम में मृत पाई गईं हैं। पुलिस के मुताबिक ये बात शनिवार की दोपहर 3.45 की है। जिसके बाद उन्हें 4.20 पर अस्पताल ले जाया गया जहां डॉक्टरों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया।

हालांकि इससे ज्यादा जानकारी फिलहाल नहीं मिल पाई है। पुलिस अब इस मामले की पूरी छानबीन में जुटी हैं। टुनिशा वसई के एक स्टूडियो में शूटिंग कर रही थीं और उन्होंने ऐसा क्यों किया और इतना बड़ा कदम उठाने के पीछे क्या वजह रही होगी फिलहाल इसे लेकर कोई जानकारी नहीं है। लेकिन सेट पर इस तरह का कदम उठाने से हर कोई दंग रह गया है। टुनिशा महज 20 साल की थीं और इतनी कम उम्र में ही चर्चित शो में उन्हें लीड रोल निभाने का मौका मिला। ऐसे में ये उनके लिए काफी अच्छा समय था। वो फेमस होती जा रही थीं।

मौत से महज कुछ देर पहले ही टुनिशा शर्मा ने इंस्टाग्राम पर एक मोटिवेशनल पोस्ट लिखा था। हालांकि फिर कुछ देर बाद उन्होंने खुद ही आत्महत्या जैसा बड़ा कदम उठा लिया, जिसके बाद अब फैंस ऐसा कह रहे हैं कि वो ऐसा नहीं कर सकतीं।

- **टुनिशा ने शो के लीड एक्टर के मेकअप रूम में ही फांसी का फंदा लगाकर जान दे दी।**
- **पुलिस के मुताबिक वो बाथरूम में मृत पाई गईं। पुलिस के मुताबिक यह बात शनिवार की दोपहर 3.45 की है। टुनिशा को 4.20 पर अस्पताल ले जाया गया जहां डॉक्टरों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया।**

सैकंड ग्रेड ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

चुके थे। जिन्हें परीक्षा देने से पूर्व एक निश्चित स्थान पर छोड़ने के लिए सांचोर लोक परिवहन की बस को उदयपुर मंगवाया था।

सुखेर से सभी छात्रों को इसमें बिठाकर लाया गया। रात दो बजे प्रश्नपत्र मिलने के बाद बस में सवार छात्रों को प्रश्न पत्रों के उत्तर बताए जा रहे थे। गिरफ्तार सभी छात्र जालोर क्षेत्र के हैं, जो आपस में कहीं ना कहीं परिचित है।

उनमें सात लड़कियां तथा दो डमी छात्र भी शामिल हैं। मुख्य सरगना सुरेश विश्नोई 8 से 15 लाख रूपये लेकर परीक्षा देने के लिए साथ लेकर आने तथा सभी को एक स्थान पर वापस छोड़ने की जानकारी सामने आई है।

क्या शशिकला ''चिनम्मा'' अन्नाद्रमुक...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

फायदा उठाने के लिए अपनी चालें चल रही हैं। समन्वयक एवं पूर्व मुख्यमंत्री ओ. पनीरसेल्वम को पार्टी से बाहर किए जाने के बाद अन्नाद्रमुक का नेतृत्व अब पूर्ण रूप से पलानिस्वामी के हाथों में हैं। पलानिस्वामी अब एक तरह से कमजोर पड़ चुके हैं और आगामी लोकसभा चुनाव अथवा वर्ष 2022 में होने जा रहे विधानसभा चुनावों में वह किसी वोट काटने वाले के सामने स्वयं को अक्षम महसूस करेंगे।

वोटों का जितना बिखराव होगा, सत्तारूढ़ द्रमुक (डी.एम.के.) और उसकी गठबंधन सहयोगी कांग्रेस के लिए उतना ही बेहतर होगा। इसीलिए अन्नाद्रमुक की गतिविधियों पर द्रमुक बारीकी से नज़र रखे हुए है ओर ए.आई.ए.डी.एम.के. नेतृत्व में आसन्न किसी विभाजन से उसे खुशी ही होगी। यदि अन्नाद्रमुक चुनाव हार जाती है तो वह शशिकला अपनी शपथ को पूरा करने के लिए राजनीतिक चाले चल सकती हैं जिन्हें जयललिता शासन के दौरान सत्ता की बैक पावर माना जाता था। अब यह देखना शेष है कि शशिकला वास्तव में कितनी घातक हो सकती हैं।

तमिलनाडू की राजनीति को निकट से जानने वाले शशिकला को एक ऐसी ताकत मानते हैं जो क्षीण हो चुकी है। उनके भतीजे टी.टी.वी. दिन करन ने अपनी खुद की क्षेत्रीय पार्टी बनाई थी, लेकिन वर्ष 2021 के विधानसभा चुनाव में उनकी पार्टी एक भी सीट जीतने में विफल रही। ये सभी भिन्न राजनीतिक ताकतें अपनी छाय छोड़ने की कोशिशें कर रही है। बता दें कि विधानसभा चुनावों में यदि संघर्ष कांटे का रहा तो इनकी उपस्थिति सतारूढ़ या विपक्ष के प्रत्याशियों की संभावनाओं को बना सकती है या बिगाड़ सकती है।

शशिकला पार्टी में अपने समर्थकों और शुभचिन्तकों के साथ वार्तालाप करती रही हैं। उन्होंने शुक्रवार को मीडिया कर्मियों से कहा कि ''मैं इसे लेकर सुनिश्चित हूं कि अन्नाद्रमुक के सभी गुट एकजुट होकर उस डी.एम.के. को हटाएंगे जिसने अम्मा को हर तरह से परेशान किया था। उन्होंने कहा कि वह और अम्मा पहले कई तूफानों को शांत चुकी है। उन्होंने करूणानिधि द्वारा दी गई सारी परेशानियों से जनता को अवगत कराते हुए बताया कि उन्होंने और अम्मा ने उसे कैसे पार पायी थी।

क्रिसमस मनाने को लेकर चेन्नई में हुए। एक कार्यक्रम में उन्होंने मीडिया कर्मियों से कहा कि ''मुझे विश्वास है कि लोकसभा चुनाव से पूर्व अन्नाद्रमुक सभी स्त्री-पुरूष एकजुट जो जाएंगे। एक राजनीतिक विश्लेषण ने बताया कि ''शशिकला बावूबी जानती है कि राजनीति में उनका पुन: प्रवेश केवल अन्नाद्रमुक से ही हो सकता है, इसलिए वे इसमें सेंध लगाने का प्रयास कर रही हैं। वह कोई भी कदम उठाए, लेकिन उसका परिणाम शून्य ही होगा।

आधार व पैन कार्ड लिंकिंग

नई दिल्ली, 24 दिसंबर (वार्ता)। आयकर विभाग ने सभी पैनधारकों से जो छूट की श्रेणी में नहीं आते हैं से 31 मार्च 2023 तक पैन को आधार से जोड़ने की अपील करते हुये आज कहा कि इसके बाद पैन निष्क्रिय हो जायेंगे।

- **आयकर विभाग ने कहा है कि, 31 मार्च 2023 तक पैन कार्ड को आधार कार्ड से लिंक नहीं किया तो ऐसे पैन कार्ड बंद हो जायेंगे।**

विभाग ने यहां कहा कि आयकर अधिनियम,1961 के अनुसार, सभी पैन धारकों के लिए जो छूट की श्रेणी में नहीं आते हैं, 31 मार्च 2023 से पहले अपने पैन को आधार से जोड़ना अनिवार्य है। जो पैन आधार से नहीं लिंक किए गए हैं,वे पैन एक अप्रैल 2023 से निष्क्रिय हो जाएंगे। विभाग ने कहा कि जो अनिवार्य है, वह आवश्यक है। देर न करें, आज ही लिंक करें।

श्रीकृष्ण की मूर्तियाँ खोजने के लिए आगरा की मस्ज़िद का सर्वे कराया जायेगा?

मथुरा, 24 दिसम्बर। श्रीकृष्ण जन्मभूमि मुक्ति न्यास के अध्यक्ष वकील महेंद्र प्रताप सिंह ने एक बार फिर दावा किया है कि मुगल शासक औरगंजेब ने भगवान श्रीकृष्ण के मंदिर को तुड़वाकर उसमें स्थापित ठाकुर केशवदेव के श्रीविग्रह यानी कि मूर्ति को आगरा भिजवाकर लाल किले की मस्जिद की सीढ़ियों के नीचे दबवा दिया था। उन्होंने शुक्रवार को फास्ट ट्रैक कोर्ट सीनियर डिवीजन नीरज गौड़ की अदालत में उपरोक्त याचिका दाखिल कर एक बार फिर अनुरोध किया है कि बेगम साहिबा की मस्जिद की सीढ़ियों के नीचे दबे इन विग्रहों को निकाल कर ठाकुर केशवदेव मंदिर में स्थापित किया जाए।

अपनी याचिका में सिंह ने कहा है कि विग्रहों को मंदिर में स्थापित होने तक उन सीढ़ियों पर सभी का आवागमन बंद किया जाए। अदालत ने इसकी सुनवाई के लिए 23 जनवरी, 2023 की तारीख मुकर्रर की है। अदालत में दर्ज किए गए दावे में वादी महेंद्र प्रताप सिंह और वृंदावन निवासी श्यामा नंद पंडित उर्फ संघ को प्रतिवादी बनाया है।

वादी ने कहा कि मुगल शासक औरंगजेब ने सन 1670 में श्रीकृष्ण जन्मभूमि पर बने ठाकुर केशवदेव के मंदिर को विध्वंस करा दिया था। मंदिर में स्थापित कीमती रत्नजड़ित छोटे एवं बड़े देव विग्रहों को आगरा ले जाया गया, जिन्हें लाल किले की बेगम साहिबा मस्जिद की सीढ़ियों के नीचे दबा दिया। उन्होंने याचिका में कहा कि देव विग्रह आज भी मस्जिद की सीढ़ियों के नीचे दफन हैं, जो प्रतिवादीगण के अधीन है। शिवचरन अवस्थी ने केंद्रीय सचिव दिल्ली, भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण, तिलक मार्ग, नई दिल्ली के महानिदेशक, भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण आगरा के अधीक्षक, भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण मथुरा के निदेशक के माध्यम से भारत संघ को प्रतिवादी बनाया है।

वादी ने इस संबंध में कई ऐतिहासिक साक्ष्यों का भी हवाला दिया है।

वादी ने कहा है कि इस संबंध में औरंगजेब के मुख्य दरबारी मुस्ताक खान द्वारा लिखित पुस्तक 'मासर ई आलमगीरी' में उल्लेख किया गया है, जिसका यदुनाथ सरकार ने अरबी भाषा से अंग्रेजी में अनुवाद किया है। उनके अलावा प्रख्यात इतिहासकार बी.एस. भटनागर द्वारा लिखित पुस्तक में भी यह वर्णन मिलता है। महेंद्र प्रताप सिंह ने अदालत से प्रार्थना की है कि उक्त सीढ़ियों पर लोगों को आने जाने से रोका जाए तथा सीढ़ियों को खुदवा कर उनमें दफन किए गए विग्रहों को निकाल कर ठाकुर केशवदेव मंदिर में स्थापित किया जाए। वादी ने बताया कि इससे पूर्व पहले भी सिविल जज सीनियर डिवीजन कोर्ट में यह दावा किया गया था, लेकिन तब अदालत ने पहले सभी प्रतिवादियों को 2 माह का नोटिस देकर पुन: दावा दाखिल करने का निर्देश दिया था। जिसके बाद अब यह दावा सिविल जज सीनियर डिवीजन कोर्ट में किया गया, लेकिन यह मामला त्वरित अदालत में सुना गया। वादीगण वकील महेंद्र प्रताप सिंह, भगवान शर्मा एवं दिलीप शर्मा ने बताया कि अदालत ने इसकी अगली सुनवाई के लिए 23 जनवरी की तारीख तय की है।

- **श्रीकृष्ण जन्मभूमि मुक्ति न्यास ने मथुरा फास्ट ट्रैक कोर्ट में याचिका दायर कर कहा कि, औरंगज़ेब ने केशव मंदिर तुड़वाकर मूर्तियाँ मस्ज़िद की सीढ़ियों में दबवा दी थीं।**

लीक हुए ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

आगामी 29 जनवरी को दोबारा होगी।

आर.पी.एस.सी ने कहा है कि, परीक्षा की शुचिता भंग करने का प्रयास करने वालों पर सख्त कार्यवाही की गई है।

इस संबंध में आयोग की फुल कमीशन बैठक में आरोपी अभ्यर्थियों की वर्तमान परीक्षा निरस्त करते हुए प्राथमिक तौर पर सदैव के लिए परीक्षाओं से वंचित करने का निर्णय लिया गया है।

आयोग ने अभ्यर्थी हित में स्थगित की गई परीक्षा की नई तिथि की घोषणा भी कर दी है। अब ग्रुप-सी की सामान्य ज्ञान एवं शिक्षा मनोविज्ञान परीक्षा का आयोजन 29 जनवरी 2023 को किया जाएगा। इस संबंध में विस्तृत सूचना यथा समय जारी कर दी जाएगी।

आगामी 26 एवं 27 तारीख को आयोजित होने वाली परीक्षाओं में विशेष सुरक्षा व्यवस्था एवं अहतियात बरतने के दिशा निर्देश भी प्रशासन एवं पुलिस अधिकारियों को दिए जा चुके हैं।

'मैं 2800 कि.मी. चला, कहीं नफरत नहीं दिखी पर ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

है लेकिन हम जो कुछ कहते है, उसकी वास्तविकता को यह कभी नहीं दिखाता, क्योंकि पर्दे के पीछे से, उसे अपना मुँह रखने का हुक्म दिया गया है।..... लेकिन यह देश एक है, हर व्यक्ति मिल-जुल कर रहना चाहता है।''

कमल हासन, जो ''मक्कल नीधी मय्यम'' के संस्थापक हैं, ने कहा कि शुरू-शुरू में, लोग उनसे यह कहने आये थे कि भारत जोडो यात्रा में शामिल होना तथा गांधी के साथ पैदल चलना उनकी एक बड़ी राजनैतिक गलती होगी''

उन्होंने आगे कहा, मैंने स्वयं से कहा कि इस समय देश को मेरी जरूरत है। मेरी अन्तरात्मा की आवाज ने कहा, कमल, भारत को तोड़ने की नहीं, जोड़ने की मदद करो।''

अभिनेता कमल हासन राजनैतिक गठबंधन के बारे में कुछ नहीं बोले। उनकी पार्टी, जिसने अपना पहला चुनाव अप्रैल, 2021 में, तमिलनाडु में लड़ा था, इस चुनावी लड़ाई में हार गई थी।

जहाँ भारत जोड़ो यात्रा ने रास्ते में कई गतिरोधों का सामना किया है, लेकिन इसकी लोकप्रियता निरन्तर बढ़ती आ रही है, और यात्रा की इस बढ़ती हुई लोकप्रियता से कांग्रेस के विरोधी, खासतौर से वे लोग, जो ''भारत के विचार'' का जबरदस्त विरोध करते हैं, व्याकुल एवं उदास हो गये हैं।

भारत जोड़ों यात्रा तथा इसके नेता की बढ़ती जा रही स्वीकार्यता का साफ संकेत उन भाजपा नेताओं की प्रतिक्रियाओं में स्पष्ट रूप से दिखाई दे रहा है, जो इसकी कमियाँ ढूढ़ने के लिये, इस यात्रा का गहन विश्लेषण कर रहे है तथा तस्वीरों की फोटोशॉपिंग तथा वीडियोज में घालमेल करने की सीमा तक पहुँच गये हैं तथा इस अभियान को नकारात्मक रूप में प्रोजेक्ट किया जा सके। लेकिन कांग्रेस अपने इस मिशन को जारी रखने के संकल्प पर अटल बनी हुई है। कांग्रेस प्रवक्ता पवन खेड़ा ने दृढ़तापूर्वक कहा कि कोई भी चीज भारत जोडो यात्रा को आगे बढ़ते रहने से नही रोक सकती। उन्होंने भाजपा से कहा कि वह ''कोविड महामारी के नाम पर राजनीति करना'' तथा पदयात्रा को ''रोकने'' की कोशिश करना बन्द कर दे, जो शनिवार की सुबह राष्ट्रीय राजधानी में प्रवेश कर गई है।

कांग्रेस नेताओं ने आरोप लगाया कि भाजपा ने राहुल गांधी को बदनाम करने की तथा यात्रा को पटरी से उतारने की हर सम्भव कोशिश की लेकिन असफल रही, क्योंकि पूरे देश, जिसमें दिल्ली भी शामिल है, के लोग जबरदस्त रूप से सहयोग कर रहे हैं।

ए.आई.सी.सी. मीडिया तथा प्रचार-प्रभारी पवन खेड़ा ने आश्रम चौक पर पत्रकारों से कहा, ''अगर आप (भाजपा) में यात्रा को रोकने की हिम्मत है तो ऐसा कर लीजिये। हम कोविड से सम्बन्धित सभी नियमों तथा प्रोटोकॉल्स, (अगर कोई होंगे), का पालन करेंगे।''

खेड़ा ने कहा, ''हमें अपनी जिम्मेदारियाँ पता है। भाजपा हमें सलाह एवं निर्देश देने के बजाय, शासन करे। वे (सरकार) नियमों की घोषणा नहीं कर रही, उनका सरोकार तो राहुल गांधी की भारत जोडो यात्रा से है, जिसे जनता का सहयोग समर्थन मिल रहा है।''

राहुल गांधी ने आर.एस.एस./भाजपा पर देश में डर फैलाने का आरोप लगाया और कहा कि इन्होंने इस डर को द्वेष में बदल दिया है लेकिन कांग्रेस ऐसा नहीं होने देगी।

भारत जोड़ो यात्रा के दिल्ली में प्रविष्ठ होते ही, भीड़ को सम्बोधित करते हुये, उन्होंने कहा, ''वे नफरत का प्रसार करते हैं, हम प्रेम का प्रसार करते हैं तथा सभी भारतीयों को गले लगाते हैं।''

उन्होंने वहाँ एकत्रित लोगों से कहा, ''इस भारत जोड़ो यात्रा में हिन्दुस्तान और मुहब्बत है, जो किसी जाति, मत, धर्म, अमीर व गरीब को नहीं देखती, सब लोग एक-दूसरे को गले लगाते हैं।''

दिल्ली के कांग्रेस-प्रभारी शक्ति सिंह गोहिल ने कहा कि भाजपा भारत जोड़ो यात्रा से डर रही है, कोविड से नहीं।

उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी तथा उनकी सरकार को राजनीति करने के बजाय, नियमों एवं मानकों का पालन करना चाहिये। उन्होंने कहा, ''कोविड-19 या करोा के राजनीतिपूर्ण उपयोग से देश की जनता के पास गलत संदेश जा रहा है।''

केन्द्र सरकार पर एक और प्रहार करते हुये, कांग्रेस महासचिव तथा कम्यूनिकेशन इन्चार्ज जयराम रमेश ने कहा कि मार्च, 2022 से लेकर अब तक मोदी सरकार पूर्व सैनिकों के पेंशन-संशोधन को लागू तथा पेंशन एरियर्स का भुगतान करने के लिये सर्वोच्च न्यायालय से चार बार समय ले चुकी है।

रमेश ने एक बयान में कहा कि चूँकि संशोधन को लागू करने के लिये बढ़ाई गई अवधि 15 दिसम्बर, 2022 को समाप्त हो रही थी, इसलिये सरकार ने 14 दिसम्बर 2022 को शाम 4 बजे, इस मुद्दे के समाधान के लिये 15 मार्च 2023 तक का समय और लेने के लिये एक मिस्लेनियस ऐप्लिकेशन लगा दी।

रमेश ने कहा कि राहुल गांधी, भारत जोडो यात्रा के दौरान, 21 दिसम्बर 2022 को हरियाणा के फिरोज़पुर-झिरका में पूर्व सैनिकों के साथ भेंट की थी। पूर्व सैनिकों ने इस मुद्दे को उठाया था तथा उन्हें (राहुल) ज्ञापन दिया था। राहुल ने उनकी माँगों का समर्थन किया था, तथा इसका व्यापक प्रचार-प्रसार हुआ था।

उन्होंने कहा कि भारत जोडो यात्रा के दिल्ली में प्रवेश करने से पहले, 23 दिसम्बर की शाम को कैबिनेट की मीटिंग के बाद, रक्षामंत्री ने एरियर्स के भुगतान की स्वीकृति की घोषणा कर दी। रमेश ने कहा,''वन रैंक, वन पेंशन (ओ.आर.ओ.पी.), जिसकी घोषणा यू.पी.ए. सरकार ने 26 फरवरी, 2014 को की थी, अभी लागू होने से बहुत दूर है। भारत जोडो यात्रा हमारे पूर्व सैनिकों की आवाज सफलतापूर्वक उठाती रहेगी। यू.पी.ए. सरकार के आदेशों के अनुरूप, हम ओ.आर.ओ.पी. के क्रियान्वयन के लिये वचनबद्ध है''।

नकल गिरोहों पर ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

किसी सार्वजनिक प्रकटीकरण के एक वर्ष तक की अवधि के लिए हिरासत में रखा जा सकता है। डीजीपी मिश्रा ने कहा कि, भर्ती परीक्षाओं को स्वच्छ एवं निष्पक्ष ढंग से कराने के लिए राजस्थान पुलिस तत्पर है। इसी का प्रतिफल है कि निरंतर ऐसे नकल गिरोहों को पकड़ा जा रहा है। मिश्रा ने बताया कि, रीट की भांति ही इस बार भी नकल गिरोह को शिकंजे में लेकर सख्त कानूनी कार्यवाही की जाएगी। उन्होंने यह भी बताया कि, नकल करने का प्रयास करने वाले अभ्यर्थियों को डीबार करने के लिए राजस्थान लोक सेवा आयोग को लिखा जा रहा है।

राष्ट्रदूत (एच.यू.एफ.) के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक सोमेश शर्मा द्वारा वतन प्रेस, सुधर्मा, एम.आई.रोड़, जयपुर एवं सुधर्मा-II, लालकोठी शॉपिंग सेंटर, टोंक रोड़, जयपुर से मुद्रित एवं प्रकाशित। संपादक:- राजेश शर्मा । आर.एन.आई. नं. 3641/57, ई-मेल-rastrdut@gmail.com कोटा कार्यालय:-पलायथा हाउस, छत्रपति शिवाजी मार्ग, कोटा। फोन:2386031, 2386032, फैक्स:0744-2386033 बीकानेर कार्यालय:-कुंम्भाना हाउस, हनुमान हत्था, बीकानेर। फोन:2200660, फैक्स: 0151-2527371 उदयपुर कार्यालय:-आयड, मेन रोड आयड, उदयपुर। फोन: 2413092, 2418945, फैक्स: 0294-2410146 अजमेर कार्यालय:-घूघरा घाटी, जयपुर रोड,अजमेर। फोन: 2627612, फैक्स:0145-2624665 जालोर कार्यालय :- जी 1/63, इन्डस्ट्रीयल एरिया, फेस प्रथम, जालोर। फोन: 226422, 226423, फैक्स: 02973-226424 हिण्डौनसिटी कार्यालय :- जी -1-201, रीको औद्योगिक क्षेत्र, हिण्डौनसिटी। फोन: 230200, 230400, फैक्स: 07469-230600 चूरू कार्यालय: एच-150, रीको औद्योगिक क्षेत्र, चूरू, फोन: 256906, 256907, फैक्स:01562-256908